डेंगू की पूर्व चेतावनी प्रणाली

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे द्वारा किये गए एक अध्ययन में यह पता लगाया गया है कि **जलवायु परिवर्तन** डेंगू के प्रकोप को किस प्रकार प्रभावित करता है और इस क्रम में संभावित प्रकोप की भविष्यवाणी करने के लिये एक **पूर्व चेतावनी प्रणाली** का प्रस्ताव दिया गया है।

- **डेंगू पर जलवायु का प्रभाव:** अध्ययन से पता चलता है कि मानसून के दौरान **उतार-चढ़ाव वाली वर्षा और 60-78% के बीच आर्द्रता के स्तर से डेंगू** के मामले बढ़ जाते हैं जबकि **150 मिमी** से अधिक वर्षा से **मच्छरों का प्रसार कम** हो जाता है।
    - **बढ़ते तापमान के कारण वर्ष 2050 तक भारत में डेंगू से संबंधित मौतों में 40% तक** की वृद्धि हो सकती है।
- **डेंगू की पूर्व चेतावनी प्रणाली:** यह प्रणाली तापमान, वर्षा और आर्द्रता जैसे जलवायु कारकों का विश्लेषण करके दो महीने पहले ही डेंगू के प्रकोप की भविष्यवाणी करने पर केंद्रित है।
    - मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल से पूर्वानुमान की सटीकता को बढ़ावा मिलने से अधिकारियों को सक्रिय कदम उठाने के लिये पर्याप्त समय मिल जाता है।
- **डेंगू: यह एक मच्छर जनित रोग है जो डेंगू वायरस (????? ?????????????) के कारण होता है, जो मुख्य रूप से एडीज़ एजिप्टी मच्छरों द्वारा फैलता है।**
    - इसके चार सीरोटाइप हैं (DEN-1, DEN-2, DEN-3, DEN-4)। इसके **लक्षणों में** तेज़ बुखार, तेज़ सिरदर्द, आँखों और जोड़ों तथा मांसपेशियों में तेज़ दर्द शामिल हैं।
    - इसका पता **रक्त परीक्षण** के माध्यम से लगाया जाता है लेकिन डेंगू का कोई विशिष्ट उपचार नहीं है।

//

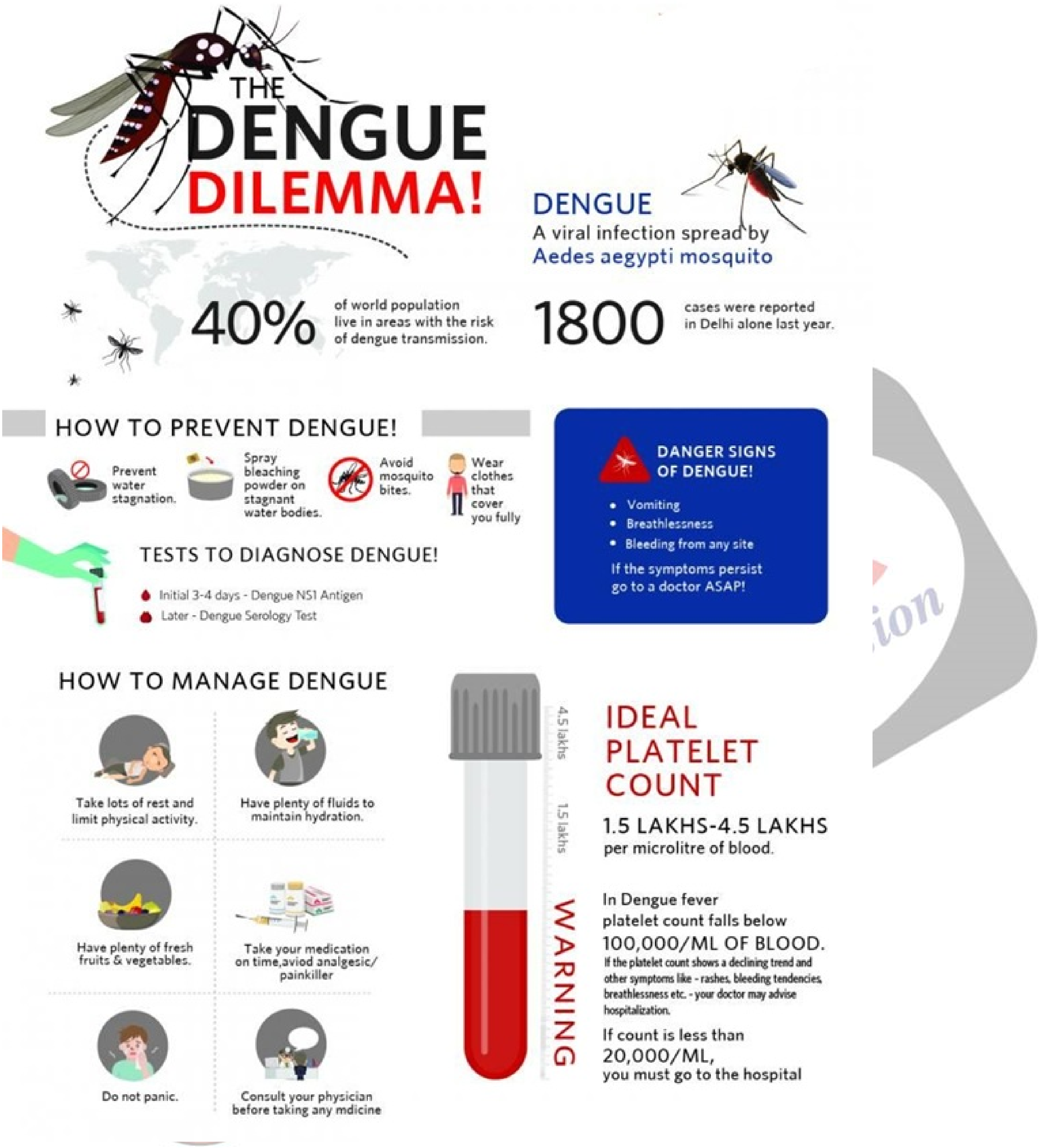

और पढ़ें: डेंगू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dengue-early-warning-system